भारतीय लोकतंत्र में मानवाधिकार

डॉ. मिथिलेश कुमार

व्यक्ति के लिए हर पल, हर क्षण, हर काल में मानवाधिकार स्वयं के विकास के लिए अपरिहार्य तत्व है और इसकी स्वतंत्रता और सुरक्षा की गारंटी सरकार को लेना पड़ता है मानवाधिकार की रक्षा करना सरकार के साथ–साथ हर एक लोगों के लिए आवश्यक हो जाता है। स्वयं के मानवाधिकार में दूसरे का मानव अधिकार का हनन ना हो जाए इसका भी ध्यान रखना पड़ता है. आधुनिक कालीन शब्द होते हुए भी मानवाधिकार का अस्तित्व तब से है जब से मानव का अस्तित्व है। प्रकृति प्रदत्त वस्तुओं को आत्मसात करना जहां प्रत्येक व्यक्ति का मानवाधिकार है वही मानव को विकास के तमाम अवसर मुहैया कराना मानवाधिकारों की व्यापकता को बताता है।